

डॉ. अगस्त कोकेल, क्रॉनिकल्स, सत्र 10, मंदिर का स्थान

© 2024 गस कोकेल और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. ऑगस्ट कुंकेल द्वारा इतिहास की पुस्तकों पर दिए गए अपने उपदेश हैं। यह सत्र 10, मंदिर स्थान है।

दाऊद से किया गया वादा दाऊद के राजा बनने से शुरू होता है, और दाऊद के राजा बनने का महत्व उसके द्वारा सन्दूक पर ध्यान देने और उसे यरूशलेम लाने के साथ जारी रहता है।

लेकिन बेशक, दाऊद ने मंदिर बनाने से कहीं ज़्यादा किया, और हम सभी जानते हैं कि दाऊद साम्राज्य निर्माता था, इसलिए इतिहासकार कहानी के उस हिस्से को नहीं छोड़ता जिसमें दाऊद यरूशलेम और यहूदा के आस-पास से अपने क्षेत्र को एक बड़े क्षेत्र तक फैलाता है जहाँ से वह कर वसूल करता था। लेकिन इतिहासकार का ध्यान हमेशा उस बात पर आता है जो दाऊद के साम्राज्य में वास्तव में महत्वपूर्ण है। महत्वपूर्ण बात यह नहीं है कि दाऊद ने लेबनान रेंज में सोबा तक के अरामियों, और अम्मोनियों, मोआबियों और एदोमियों को अकाबा की खाड़ी तक और पलिशियों को भूमध्य सागर तक जीत लिया है।

लेकिन दाऊद के राज्य का महत्व मंदिर के लिए उसकी तैयारी में है क्योंकि आखिरकार, दाऊद का राज्य साम्राज्य नहीं है। दाऊद का राज्य मंदिर है जो परमेश्वर के राज्य का प्रतिनिधित्व करता है। इसलिए, हमारी रूपरेखा में, हम दूसरे चरण में चले गए हैं।

हमने प्रतिज्ञा के राष्ट्र को देखा है। अब हमने राज्य की स्थापना देखी है, जो कि एक बड़ा क्षेत्र है जिस पर दाऊद शासन करता है। लेकिन अब इतिहासकार का सबसे बड़ा विवरण मंदिर के लिए उसकी तैयारियों पर होगा।

कृपया ध्यान दें कि शमूएल की सभी पुस्तकों की कहानी का सबसे बड़ा हिस्सा इतिहासकार ने लगभग दस अध्यायों में, 10 से 20 तक, कवर किया है, जिसमें वह स्पष्ट रूप से बताता है कि किस तरह से दाऊद एक साम्राज्य का राजा बना। और 1 और 2 शमूएल में मौजूद सभी विवरणों को उस छोटी सी जगह में संक्षेप में प्रस्तुत किया जा सकता है। आपको बस यह जानना है कि दाऊद का एक साम्राज्य है।

अब आपको जो जानना चाहिए, और यह लगभग दस अध्यायों में होगा, जिसमें दाऊद द्वारा मंदिर की तैयारी के बारे में बताया गया है, जो कि परमेश्वर का राज्य है। मंदिर की तैयारी एक अशुभ तरीके से शुरू होती है। वे मंदिर की जगह को चुनने के तरीके का वर्णन करके शुरू करते हैं।

अब यह शमूएल में एक सुखद कहानी नहीं है, न ही यह इतिहास में एक सुखद कहानी है। इतिहासकार के पास जो संस्करण है वह वास्तव में शमूएल के संस्करण से कुछ हद तक भिन्न है क्योंकि उसके पास शमूएल में हमारे लिए सुरक्षित रखे गए पाठ से अलग पाठ है। लेकिन यह सब सैनिकों की गिनती से शुरू होता है।

एक बात जो गलत है और जो वफादारी की कमी को दर्शाती है, वह है जब आप खुद को बचाने के लिए सैनिकों पर निर्भर होने लगते हैं और अपनी सेना की गिनती करने लगते हैं। और कई मायनों में यह एक परीक्षा है। इसलिए, डेविड ने फैसला किया कि उसे पता लगाना चाहिए कि उसके पास कितनी सेना है।

अब बेशक हम इसके आदी हो चुके हैं। हम हर समय जनगणना करते रहते हैं। मुझे नहीं पता कि मेरे जीवन में कितनी बार मेरी गिनती की गई है, ज्यादातर इसलिए ताकि मुझ पर कर लगाया जा सके, लेकिन क्योंकि कनाडा में संघीय सरकार अपने लोगों के बारे में सभी तरह की चीजों का रिकॉर्ड चाहती है और वे कौन हैं और वे कहाँ रहते हैं और क्या काम करते हैं।

डेविड बस अपने इस विशाल साम्राज्य पर थोड़ा और नियंत्रण चाहता था और उसके योद्धा की नौकरी को लगता है कि यह एक अच्छा विचार नहीं है। ऐसा करने का उसके पास कोई कारण नहीं है। हालाँकि यहाँ जो होता है वह यह है कि इतिहासकार जिस तरह से कहानी बताता है वह शमूएल में पढ़ने के तरीके से बिल्कुल अलग है।

शमूएल में दाऊद की परीक्षा प्रभु की ओर से आती है और एक तरह से ऐसा इसलिए है क्योंकि दाऊद बहुत ज्यादा आत्मविश्वासी रहा है और उसने अपने योद्धाओं और खुद पर बहुत ज्यादा भरोसा किया है। और इसलिए, परमेश्वर उसकी परीक्षा ले रहा है और उसका न्याय कर रहा है। इतिहासकार इसे इस तरह से नहीं कहते।

क्रॉनिकलर कहते हैं, और आपके ज्यादातर अनुवादों में, आप इसे एक नाम के रूप में पढ़ने जा रहे हैं क्योंकि इसमें बड़े अक्षरों में लिखा है कि यह शैतान था जिसने डेविड को बहकाया था। अब, मैं अनुवादक के उस विकल्प पर सवाल उठाना चाहता हूँ जिसमें उसने इसे शैतान का व्यक्तिगत नाम बनाया है। और यही कारण है कि मैं अनुवादक के उस विकल्प को चुनौती देना चाहता हूँ जिसमें उसने इसे शैतान का व्यक्तिगत नाम बनाया है।

जब हम नए नियम में आते हैं तो शैतान का व्यक्तिगत नाम यही है। वह दुष्टात्माओं का राजकुमार है, और वह मूल रूप से प्रलोभन देने वाला है, इत्यादि। हालाँकि, हिब्रू बाइबिल में, शैतान शब्द एक व्यक्तिगत नाम नहीं है।

यह सिर्फ एक सामान्य संज्ञा है। इसे ऐसे ही लिखा जाता है, शैतान, और इसका सीधा मतलब है विरोधी। कोई ऐसा व्यक्ति जो आपको धोखा दे सकता है।

कोई ऐसा व्यक्ति जो आपको गलत काम करने के लिए प्रेरित कर सकता है। और इसलिए मैंने पहले उल्लेख किया था कि जब दाऊद सिकलग में था, तो पलिशती सैन्य नेता दाऊद और उसके आदमियों को अपने साथ इस्राएल के विरुद्ध लड़ने के लिए सेना में शामिल करना चाहता था। और दूसरे पलिशती ने कहा कि नहीं, वह शैतान है।

अब, उनका मतलब यह नहीं था कि वह किसी भी तरह का शैतान था, जो भी हो। उन्होंने बस इतना कहा कि वह वास्तव में हमारे पक्ष में नहीं है। वह वही है जिसके बारे में इस्राएलियों ने कहा

था कि शाऊल ने अपने हज़ारों लोगों को मार डाला है और दाऊद ने अपने दस हज़ार लोगों को मार डाला है।

और अगर हम युद्ध की गर्मी में दाऊद को अपने साथ ले जाएं, तो वह हमारे खिलाफ हो सकता है और शाऊल के साथ मिल सकता है। वह शैतान है। अब, ऐसा कोई भाषाई सबूत नहीं है जो यह सुझाव दे कि इतिहासकार इस शब्द का इस्तेमाल इसके बहुत ही सामान्य अर्थ के अलावा किसी और तरीके से कर रहा है।

अब, स्पष्ट रूप से, वह इस बिंदु पर शमूएल की व्याख्या कर रहा है। और वह इस बात से इनकार नहीं कर रहा है कि परमेश्वर ही वह था जो दाऊद के लिए एक परीक्षा लेकर आया था। लेकिन परमेश्वर की ओर से वह परीक्षा दाऊद के पास कैसे आई? खैर, इतिहासकार सुझाव देता है कि यह शैतान था।

दूसरे शब्दों में, डेविड के सेनापतियों या उसके सैनिकों में से कहीं कोई ऐसा व्यक्ति था जिसने कहा कि, ठीक है, आप जानते हैं, हमें अपनी सेनाओं की गिनती करनी चाहिए। हमें पता होना चाहिए कि हम अपनी सुरक्षा और सैन्य कार्यवाही के मामले में कहां हैं। और इसलिए, हमें यह पूरी जनगणना करनी चाहिए।

और इसलिए, दाऊद ने योआब को इस्राएल के सभी 12 गोत्रों में जाने के लिए भेजा, जिससे वह सभी सैनिकों की गिनती करने के लिए बहुत निराश हुआ। अब, मैं बस यह बताना चाहता हूँ कि मेरे हिसाब से, इतिहासकार का मतलब ज़्यादा संभावना वाला है, और यह सोचना लगभग असंभव है कि इतिहासकार का मतलब यह है कि यह वास्तव में शैतान था। अगर इतिहासकार का मतलब यह है कि यह शैतान था, तो इतिहासकार शमूएल की किताबों के विरोधाभास में आता है क्योंकि भगवान शैतान का उपयोग नहीं करते हैं।

लेकिन भगवान के पास अन्य तरीकों से भी अपने मानवीय उपकरण हैं जिनका वह उपयोग करता है, जो मुझे लगता है कि इतिहासकार के कहने की संभावना अधिक है। इसलिए, जैसा कि हम जानते हैं, इसका परिणाम यह होता है कि महामारी फैल जाती है क्योंकि यह भगवान को बहुत अप्रिय लगता है, और डेविड इस तथ्य पर शोक व्यक्त करता है कि यह महामारी फैल गई है और उसे वास्तव में एक विकल्प दिया गया है। आप जानते हैं, आप इस महामारी को रोकने के लिए क्या चाहते हैं? और डेविड कहता है, ठीक है, न्याय मुझ पर होना चाहिए।

यह उन अन्य लोगों पर नहीं होना चाहिए जो वास्तव में सिर्फ निर्दोष हैं। वे पीड़ित हैं। इसलिए, अध्याय का बाकी हिस्सा डेविड के कबूलनामे और उस बिंदु के बारे में बताता है जिस पर विनाशकारी स्वर्गदूत, मालाक, वह संदेशवाहक जिसने महामारी लाई थी, को रोक दिया गया।

इतिहास में, उसे तलवार लिए हुए और एक मध्यस्थ के रूप में देखा गया है जिसे देखा गया था। शमूएल ऐसा नहीं कहता है, लेकिन निश्चित रूप से, इस बिंदु पर इतिहासकार शमूएल के एक संस्करण का उपयोग कर रहा है जो ऐसा कहता है। तो, यह स्पष्ट है कि भगवान अपने दूत के माध्यम से इस महामारी को अंजाम दे रहे थे और इसे एक विशेष स्थान पर रोक दिया गया था।

यह एक थ्रेसिंग साइट थी। अब, पुराने समय में, हार्वेस्टर नहीं थे, जिन्हें हम कंबाइन कहते थे, ये बड़ी मशीनें जो खेत में घूम सकती हैं और सभी अनाज के बीजों को तोड़कर एक हॉपर में डाल सकती हैं। इसके बजाय, आप उन्हें इकट्ठा करते हैं, उन्हें बंडलों में बांधते हैं, और फिर आपके पास एक समतल क्षेत्र होता है, जो आम तौर पर कुछ हद तक ऊंचा होता है, ताकि आप हवा पकड़ सकें, और आप बीजों को पीसते हैं, और हवा भूसे को उड़ा देती है।

तो यही वह खलिहान है जहाँ प्लेग को रोका जाता है। तो, यह खलिहान वह स्थान बन जाता है जिसे दाऊद समर्पित करता है, और इसे उन संकेतों के संदर्भ में पुष्टि की जाती है जैसे कि निर्गमन अध्याय 34 की पुस्तक के अंत में तम्बू को समर्पित करते समय हुआ था, जहाँ दाऊद बलिदान चढ़ाता है और आग सुलैमान के लिए बलिदान को भस्म कर देती है। दाऊद का सुलैमान को निर्देश।

यह एक व्यक्तिगत जिम्मेदारी है जो डेविड ने सुलैमान को दी है, और वह सुलैमान को समझाता है कि वह जो कर रहा है वह अब तक का सबसे महत्वपूर्ण काम है। वह अपने साम्राज्य के निर्माण के बारे में बात नहीं कर रहा है, बल्कि वह सिंहासन, महल के बारे में बात कर रहा है जो परमेश्वर के शासन का प्रतिनिधित्व करेगा, और यह डेविड द्वारा सभी सामग्रियों को इकट्ठा करने के माध्यम से होता है और यह इज़राइल के सभी नेताओं को उनके द्वारा सुलैमान का समर्थन करने के लिए दिए गए निर्देश के माध्यम से होता है। तो, यह उस चीज की शुरुआत है जो अब काफी लंबी कहानी के इतिहासकार के लिए सबसे महत्वपूर्ण है जिसमें वह हमें डेविड के जीवन की महत्वपूर्ण बात के बारे में बताना चाहता है, जो कि उस मंदिर की तैयारी थी जो परमेश्वर के राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाला था।

यह डॉ. ऑगस्ट कुंकल हैं जो इतिहास की पुस्तकों पर अपना शिक्षण दे रहे हैं। यह सत्र 10, मंदिर स्थान है।